दूध की खरीद के वर्तमान दर (ठेकेदारों की कमीशन निकाल कर) निम्नलिखित हैं :—

राज्य	6.5 प्रतिशत चर्बी सहित भैंस के दूध के लिए मूल कीमत	गाय के दूध की मूल कीमत
(1) यू०पी०	77.50 रुपये प्रति क्विंटल	. .
(2) हरियाना		
(1) करनाल जिला	69.93रु० प्रति क्विंटल	. .
(2) अन्य क्षेत्र	77.50रु० प्रति क्विंटल	77.50रुपये प्रति क्विंटल
(3) राजस्थान	—	55.00रुपये प्रति क्विंटल

दिल्ली दुग्ध योजना से बेचे गये विभिन्न प्रकार के दूध का बिक्री मूल्य निम्नलिखित है :—

	प्रति लिटर
1. मानकीकृत दूध (8.5 प्रतिशत एस०एन० एफ०, 5 प्रतिशत चर्बी)	84 पैसे
2. गाय का दूध (न्यूनतम 8.5 प्रतिशत एस० एन० एफ० 3.5 प्रतिशत चर्बी)	84 पैसे
3. टोन्ड दूध (8.5 प्रतिशत एस० एन० एफ०, 3 प्रतिशत चर्बी)	54 पैसे
4. डबल टोन्ड दूध (9 प्रतिशत एस० एन० एफ०, 1.5 प्रतिशत चर्बी)	40 पैसे

कृषि इंजीनियर तथा विदेशों में प्रशिक्षण प्राप्त कृषि विशेषज्ञ

470. श्री राम चरण : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कृषि इंजीनियर तथा विदेशों से प्रशिक्षण प्राप्त कृषि विशेषज्ञ, अलग-अलग कितने हैं ;

(ख) उन में से कितने व्यक्ति कृषि-कार्य में लगे हुए हैं ;

(ग) क्या बेरोजगार कृषि इंजीनियरों के लिए कृषि कार्य सम्बन्धी रोजगार की व्यवस्था करने की सरकार की कोई योजना है ; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अन्नासाहेब शिन्दे) : (क) खाद्य तथा कृषि मंत्रालय द्वारा प्रकाशित "डायरेक्टरी आफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग पर्सनल इन इंडिया (1964)" के अनुसार 1964 तक भारत में 325 कृषि इंजीनियर थे। नवीनतम आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। पिछले 2 वर्षों की अवधि में कृषि इंजीनियरिंग महाविद्यालयों से लगभग 200 कृषि स्नातक निकले हैं और इस प्रकार ऐसे इंजीनियरों की संख्या 5 5 हो जाती है। इन में से 56 विदेशों से प्रशिक्षण प्राप्त हैं।

(ख) हमारे ज्ञान के अनुसार सभी प्रशिक्षित कृषि इंजीनियर कृषि या कृषि से सम्बन्धित उद्योगों में कार्य कर रहे हैं।

(ग) यद्यपि बेकार कृषि इंजीनियरों के लिए कृषि कार्य सम्बन्धी रोजगार की व्यवस्था करने की कोई विशेष योजना नहीं है फिर भी केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों ने ऐसी अनेक योजनायें तैयार की हैं जिनकी

क्रियान्विति के लिये प्रशिक्षित कृषि इंजीनियरों की आवश्यकता पड़ेगी ।

(घ) प्रश्न ही नहीं होता ।

Tractors in use in Agriculture

471. Shrimati Suseela Gopalan:
Shri C. K. Chakrapani:
Shri P. Gopalan:
Shri Satya Narain Singh:
Shri Umanath:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the number of tractors in use in agriculture in each State since 1960; and

(b) how many of these tractors (in each State separately) are in use for actual agricultural purposes and how many are used for transport and other purposes?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) A statement showing the number of tractors (31,016) in use in agriculture in each State as per the census held in 1961 is enclosed. [*Placed in Library. See* No. LT-218/67]. Thereafter upto December, 1966, 24,187 tractors have been imported and 20,710 tractors produced indigenously. The figures of the State-wise census conducted *in 1966 are under compilation.*

(b) The 1961 census figures are in respect of tractors in use for agricultural purposes only. The tractors imported or manufactured subsequent to 1961 are mostly in use for agricultural purposes. While specific information on the number of tractors used for agricultural purposes is not available, it is believed that the majority of these tractors is used for agricultural purposes.

Distribution of Waste Land

472. Shrimati Suseela Gopalan:
Shri C. K. Chakrapani:
Shri P. Gopalan:
Shri Satya Narain Singh:
Shri Umanath:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the total acreage of waste land available in each State for agricultural purposes;

(b) how much waste land has been distributed in the different States since 1952 to the landless or poor cultivators or other persons giving separate figures of distribution to different categories of persons, State-wise; and

(c) how much fresh land has been brought under cultivation since 1952 in each State by the State Governments under various colonization schemes and what amount of this land has been distributed amongst landless agricultural labourers, poor peasants and various other categories so far?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) to (c). A statement is laid on the Table of the Sabha. [*Placed in Library. See* No. LT-219/67].

Gift of Rigs for Drought-Affected Areas

473. Shri Vishwa Nath Pandey: Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the United Nations International Children's Emergency Fund has given a gift of four rigs to the Government of India for use in the drought-affected areas; and

(b) if so, how they have been distributed among the drought-affected areas?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) **The landed** The United Nations International Children's Emergency Fund has given